एक देन और एक आध्यात्मिक देन में क्या अंतर है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

शब्दों “देन्” और “आध्यात्मिक देन” के बीच अंतर को बेहतर समझने के लिए, हम एक उदाहरण लेते हैं:

मान लीजिए दो लोगों को उपहार में एक-एक कार मिली। दोनों कारें एक जैसी हैं, लेकिन हर व्यक्ति अपनी कार का उपयोग अलग ढंग से करता है। पहला व्यक्ति कार का उपयोग अपने निजी लाभ के लिए आराम से यात्रा करने के लिए करता है। दूसरी ओर, दूसरा व्यक्ति अपनी कार को एम्बुलेंस बना देता है ताकि बीमार लोगों को अस्पताल पहुँचाने में मदद कर सके और यह सेवा वह पूरी निःस्वार्थ भावना से करता है।

बाइबिल की दृष्टि से, ये कारें ईश्वर के दिये हुए उपहारों का प्रतीक हैं। लेकिन दूसरी व्यक्ति का यह निर्णय कि वह अपनी कार दूसरों की सेवा के लिए इस्तेमाल करे, वह एक आध्यात्मिक देन का उदाहरण है। शास्त्र के अनुसार, आध्यात्मिक देन केवल एक आशीर्वाद या प्रतिभा नहीं, बल्कि पवित्र आत्मा द्वारा दी गई दिव्य क्षमता है, जिससे मसीह की सभा की सेवा और उसका निर्माण किया जाता है (1 कुरिन्थियों 12:7 — “प्रत्येक मनुष्य को आत्मा की प्रकटता लाभ के लिए दी जाती है”)।

इसका मतलब है कि आध्यात्मिक देन मुख्य रूप से अपनी ही सेवा के लिए नहीं दी जाती, बल्कि दूसरों के निर्माण और आशीर्वाद के लिए होती है (रोमियों 12:6-8)।

आज बहुत से लोगों के पास प्राकृतिक प्रतिभाएं या उपहार होते हैं, पर वे

एक देन और एक आध्यात्मिक देन में क्या अंतर है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

बाइबिल के अर्थ में आध्यात्मिक देन नहीं होतीं। उदाहरण के लिए, कुछ के पास गायन की देन हो सकती है, लेकिन वे उसे आध्यात्मिक देन के रूप में उपयोग नहीं करते, जो सभा को प्रोत्साहित और मजबूत करे (इफिसियों 4:11-13)। कुछ भविष्यवाणी या जुबान की भाषा बोलते हैं, पर वे इन देनों का उपयोग स्वार्थ या व्यक्तिगत प्रसिद्धि के लिए करते हैं, न कि समुदाय की सेवा के लिए (1 कुरिन्थियों 14:12)।

यह क्यों महत्वपूर्ण है? क्योंकि शास्त्र चेतावनी देता है कि आध्यात्मिक देन को प्रेम और नम्रता के साथ पूरे समुदाय के भले के लिए उपयोग किया जाना चाहिए — न कि व्यक्तिगत गौरव या लाभ के लिए (1 कुरिन्थियों 13:1-3)।

पौलुस हमें सलाह देते हैं:

कुरिन्थियों 14:12
“इसलिए तुम आध्यात्मिक देनों की खोज लगन से करो; पर मैं तुम्हें
एक उत्तम मार्ग दिखाता हूँ।”

आध्यात्मिक देन का मुख्य उद्देश्य मसीह के शरीर, अर्थात सभा का निर्माण करना है, न कि किसी एक व्यक्ति की महिमा करना।

एक देन और एक आध्यात्मिक देन में क्या अंतर है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

इसे ध्यान से सोचें: क्या आपकी देन दूसरों को आशीर्वाद देती है और सभा को मजबूत करती है, या केवल आपकी अपनी भलाई के लिए है? यदि आपकी देन मुख्य रूप से आपको ही महिमा देती है, न कि परमेश्वर को, तो हो सकता है आपके पास केवल एक प्रतिभा हो, पर वास्तविक आध्यात्मिक देन नहीं, जिसे आत्मा ने सक्षम बनाया हो (यूहन्ना 15:8)।

ईश्वर हमें बुलाते हैं कि हम अपनी देनों को आध्यात्मिक देनों में बदलें, उन्हें अपने सामने समर्पित करें और दूसरों के लिए आशीर्वाद के रूप में उपयोग करें। इसका परिणाम होता है एक ऐसा जीवन जो परमेश्वर की महिमा करता है और उसके लोगों का निर्माण करता है (1 पतरस 4:10-11)।

इसके अलावा, शास्त्र कहता है कि जो अपनी आध्यात्मिक देनों को विश्वासपूर्वक उपयोग करते हैं, वे मसीह की वापसी के समय सम्मानित होंगे (मत्ती 25:14-30, प्रतिभाओं का दृष्टांत)। केवल वे लोग जो अपनी देनों से दूसरों की सेवा करते हैं, “भोज” में बुलाए जाएंगे जो मसीह के साथ अनन्त उत्सव का प्रतीक है।

कुरिन्थियों 12:4-7 याद दिलाता है:
“दान तो अनेक हैं, पर एक आत्मा है।
सेवाएँ अनेक हैं, पर एक प्रभु है।
कार्य अनेक हैं, पर सब में और सबके द्वारा वही ईश्वर कार्य करता
है।

एक देन और एक आध्यात्मिक देन में क्या अंतर है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

प्रत्येक मनुष्य को आत्मा की प्रकटता लाभ के लिए दी जाती है।”

आध्यात्मिक देन परस्पर लाभ के लिए हैं, स्वार्थ के लिए नहीं।

संक्षेप में: असली लालसा हो दूसरों की सेवा करने की और मसीह के शरीर का निर्माण करने की। तब परमेश्वर आपकी प्राकृतिक देनों को सच्ची आध्यात्मिक देनों में बदल देगा, जो उसकी महिमा करें और आशीर्वाद बनें।

परमेश्वर आपके सेवा कार्यों को आशीर्वाद दे!

Share on:
WhatsApp